॥ श्री ॥

॥ बाबा ॥

मैं तो ठहरा परदेसी
मुझको चले जाना हैं ।
बाबा मेरे सागर है
मुझको डूब जाना है ॥धृ॥

बाबा मेरे सागर हैं
मै तो एक दरियाँ हूँ ।
बाबा मेरे सागर हैं
मुझको बह जाना हैं ॥1॥

गलतियाँ कई बाबा
होती चली आयी हैं ।
बदन एक जरिया हैं
इच्छा मयखाना हैं ॥2॥

मैं किसीका साथी नही
साथ पर निभाना हैं ।
कर्म करके अपना मुझे
अपने गाँव जाना हैं ॥3॥

क्यों किसी से हो नाराज
क्यो किसी से शिकवा हो ।
बाबा के सभी किरदार
पाठ तो निभाना हैं ॥4॥

तारीफों की डर से
दिल तो हिल जाता हैं ।
तारीफे भुलाने को
बाबा ही सहारा हैं ॥5॥

★★★★★